न्यूज डायरी

पाकिस्तान में पहली बार कोई हिंदू बना लेफ्टिनेंट कर्नल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पहली बार किसी हिंदू धर्म के शख्स को लेफ्टिनेंट कर्नल नियुक्त किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि पाकिस्तानी आर्मी ने इतिहास में पहली बार किसी हिंदू अधिकारी को लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर पदोन्नत किया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने इसकी जानकारी दी है। आर्मी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि सिंध प्रांत के थार जिले के रहने वाले कैलाश कुमार एक शानदार अधिकारी हैं। पाकिस्तान के सामा न्यूज ने बताया कि कैलाश कुमार इस पद पर पहुंचने वाले पहले हिंदू–पाकिस्तानी हैं। उनकी रैंक को मेजर से लेफ्टिनेंट कर्नल में अपग्रेड किया गया है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कैलाश कुमार पाकिस्तान सैन्य अकादमी से पास आउट हुए हैं। वह पाकिस्तानी सेना के मेडिकल कोर में सेवारत थे।

एक्टर और कामेडियन से यूक्रेन के राष्ट्रपति बने जेलेंस्की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच घमासान छिड़ा हुआ है। रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव तक पहुंच चुकी हैं। इससे रूस की मंशा भी साफतौर पर जाहिर हो गई है। वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्डोमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शांति की अपील की है। हालांकि ये अपील इस मोड़ पर कारगर साबित होती नहीं दिखाई दे रही है। इस पूरे विवाद में जेलेंस्की की भूमिका बेहद खास रही है। आपको बता दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने से पहले या एक राजनेता बनने से पहले वो एक एक्टर और कोमेडियन थे। उनका राजनीतिक सफर भी खासा चुनौतीपूर्ण नहीं रहा। हालांकि इसके बाद जो उनकी चुनौतियां सामने आईं वो आज भी खत्म नहीं हुई हैं। वर्ष 2019 में जेलेंस्की ने यूक्रेन की सत्ता संभाली थी। वो खुद रूसी भाषा ही बोलते हैं। कीव में ही पले और बड़े हुए जेलेंस्की ने एक्टर के तौर पर करियर भी यूक्रेन से ही शुरू किया था।

यूक्रेन पर हमला करके हिटलर बने पुतिन, दुनियाभर में विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ दुनियाभर में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम के अलावा यूरोप के कई देशों में भी लोग सड़कों पर उतरे। रूस के भीतर भी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए। रूसी पुलिस ने दर्जनों शहरों में युद्ध–विरोधी प्रदर्शनों में सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, अमेरिका में वाइट हाउस और रूसी एंबेसी के सामने भी प्रदर्शन शुरू हो गया है। रूसी दूतावास के सामने जमे लोग, युद्ध की निंदा करते हुए नारे लगा रहे हैं। इसके अलावा जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, स्पेन, जॉर्जिया समेत कई देशों में रूस के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। जॉर्जिया की संसद के बाहर प्रदर्शन में कई लोग बैनर लिए थे जिनपर लिखा था, मैं रूसी हूं, उसके (युद्ध) लिए सॉरी।

यूक्रेन पर चीन ने किया खेल! पुतिन के साथ आए शी जिनपिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हो गया। अब तक रूसी सेना यूक्रेन में भारी तबाही मचा चुकी है और तेजी से राजधानी कीव की ओर बढ़ रही है। शुक्रवार सुबह से ही कीव में धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। इस जंग में दुनिया भी दो पक्षों में बंट गई है। कई देश जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय देश, यूक्रेन के साथ खड़े हैं तो वहीं चीन और पाकिस्तान रूस का समर्थन कर रहे हैं। एक तरफ जब दुनिया के ज्यादातर देश रूस पर कड़े से कड़े प्रतिबंध लगा रहे हैं तब चीन ने रूस पर लगे सभी गेहूं आयात प्रतिबंधों को हटाने का फैसला लिया है। चीन के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम ने गुरुवार यूक्रेन पर रूसी हमले के कुछ ही देर बाद इसकी घोषणा कर दी। यह कदम उस समझौते के तहत उठाया गया है जो इस महीने की शुरुआत में पुतिन और जिनपिंग के बीच हुआ था। रूस दुनिया के सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देशों में से एक है।

यूक्रेनी सेना को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर करेंगे पुतिन

संकट

यूक्रेन में रूस के भीषण से मची है भारी तबाही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान पर खूनी कब्जा करने वाले तालिबान ने यूक्रेन पर हमला करने वाले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सलाह दी है। तालिबान ने कहा कि दोनों ही पक्ष संयम रखें और वे ऐसा रवैया नहीं अपनाएं जिससे हिंसा और भड़क जाए। अफगानिस्तान पर बंदूक के बल पर कब्जा करने वाले तालिबान ने इस संकट के समाधान के लिए रूस और यूक्रेन को बातचीत करने की सलाह दी।

तालिबा ने कहा कि वह इस पूरे मामले पर अपनी करीबी नजर बनाए हुए है। तालिबान ने आम नागरिकों की मौत की आशंका पर चिंता जाहिर की है। तालिबान ने पूरे संकट को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने आह्वान किया। तालिबान ने यह बयान ऐसे समय पर जारी किया है, जब खुद उसने अभी कुछ महीने पहले ही खूनी हमले के बाद सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसमें बड़ी संख्या में

अफगान सैनिक मारे गए थे।

इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के सैनिक रणनीतिक चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर नियंत्रण करने के बाद यूक्रेनी सत्ता को ढहाने के बेहद करीब हैं और 96 घंटों के भीतर इसपर कब्जा कर लेंगे। डेली मेल ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन कीव में यूक्रेनी बलों को घेरने और उन्हें या तो आत्मसमर्पण करने या नष्ट करने के लिए मजबूर करने की योजना है, और यूक्रेन का नेतृत्व एक सप्ताह में ढह सकता है। अमेरिका के एक पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी ने न्यूजवीक को बताया, 'सैन्य साजो समान समाप्त होने और वास्तव में जमीनी युद्ध शुरू होने के बाद, मुझे लगता है कि कीव कुछ ही दिनों में ढह जाएगा। 'सेना थोड़ी देर और चल सकती है लेकिन यह लंबे समय तक चलने वाली नहीं है।' डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेनी सरकार के एक करीबी सूत्र ने कहा कि वे इस बात पर सहमत हैं कि कीव को 96 घंटों के भीतर घेर लिया जाएगा, लेकिन उनका मानना है कि सरकार मजबूत रहेगी और ढहेगी नहीं।

नाटो या अमेरिकी सैनिकों को यूक्रेन नहीं भेजा जाएगाः नाटो और अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल हमले को रोकने के लिए यूक्रेन की सेना को छोड़कर कोई भी सैनिक नहीं भेजा जाएगा। कुछ लोग उम्मीद करते हैं कि यह एक लंबे, खूनी और शातिर युद्ध के लिए लगभग निश्चित रूप से विजयी होकर उभरेगा। डेली मेल की रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, नाटो द्वारा युद्ध को पड़ोसी देशों में फैलने से रोकने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। पोलैंड, गठबंधन का सदस्य, यूक्रेन के साथ एक व्यापक भूमि सीमा साझा करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गठबंधन ने गुरुवार तड़के अपनी सेना को स्थानांतरित करना शुरू कर दिया, यूरोप में 100 युद्धक विमानों को हाई अलर्ट पर रखा और अधिक सैनिकों को बाल्टिक में स्थानांतरित कर दिया।

यूक्रेन में रिहाइशी इलाकों को टारगेट कर रही रूसी सेनाएं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन पर रूस के हमलों की इंटेसिटी काफी बढ़ गई है। सुबह से यूक्रेन की राजधानी कीव में 7 बड़े धमाके सुने गए हैं। शहर में एक के बाद मिसाइलों से हमले हो रहे हैं। लोग घरों में दुबके हुए हैं। इस बीच चर्नोबिल न्यूक्लियर प्लांट में रेडिएशन बढ़ गया है। रायटर्स ने बताया है कि यूक्रेन की न्यूक्लियर एजेंसी के मुताबिक उन्होंने इसकी साइट पर रेडिएशन लेवल बढ़ते पाया है।

शुक्रवार सुबह ही यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बयान भी जारी किया। उन्होंने कहा कि दुनिया ने हमें जंग में लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि वे कीव में हैं और वहां रूसी सेना दाखिल हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि इन रूसियों का पहला टारगेट वही हैं और दूसरा टारगेट उनका परिवार है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के पूरी सेना को युद्ध में उतारने का ऐलान किया है। इसके लिए यूक्रेन सरकार ने 18 से 60 साल के यूक्रेनी पुरुषों के देश छोड़ने पर रोक लगा दी है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यूक्रेन ने अपने 10 हजार नागरिकों को मुकाबले के लिए राइफलें दी हैं।

अप्रैल, 1986 को चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में दुनिया की सबसे भीषण परमाणु दुर्घटना हुई थी।

रूसी हमला और साइरन के बीच कपल ने रचाई शादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन के एक कपल ने कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी शादी मधुर संगीत के बजाय एयर अटैक साइरन के बीच होगी। गुरुवार को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तब पूरे देश में अफरा–तफरी मच गई। हर शख्स अपनी जान बचाने के लिए भागने लगा लेकिन यारिना अरीवा और सियावातोस्लाव फुर्सिन ने आसमान में मंडराते विमानों के बीच एक–दूसरे से शादी करने का फैसला लिया। कीव स्थित सेंट माइकल्स मोनास्ट्री में शादी करने वाली अरीवा ने सीएनएन से बात करते हुए कहा कि, यह बहुत भयावह था। एयर अटैक साइरन के बीच शादी के बाद अरीवा ने कहा कि यह आपकी जिंदगी का सबसे खुशनुमा पल होता है लेकिन जब आप बाहर जाते हैं तो आपको साइरन सुनाई पड़ते हैं।

रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद यूएन की भूमिका पर उठे सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस ने यूक्रेन पर हमला बोल दिया। सुरक्षा परिषद की तमाम कोशिश दोनों देशों के बीच जंग को रोक पाने में निरर्थक रही। जंग की शुरुआत के बाद संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मानवता के नाम पर हमला रोकने की अपील की थी। मास्को ने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की अपील को ठुकराते हुए यूक्रेन सीमा में टैंक के साथ अपनी सेना भेजा है। यह पहली बार नहीं है, जब संयुक्त राष्ट्र दो देशों के बीच शांति स्थापित करने में नाकाम रहा है। इससे पहले भी कई युद्ध संयुक्त राष्ट्र की

पंजशीर से मात्र एक घंटे की दूरी पर है फरखोर

विफलता की वजह से हुए है। सवाल उठता है कि संयुक्त राष्ट्र का गठन कब हुआ? इस संगठन का मकसद क्या है? इसके गठन के बाद कितनी जंग हो चुकी है?

संयुक्त राष्ट्र के गठन का मकसद

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 24 अक्टूबर, 1945 को अमेरिका, रूस सहित 50 से अधिक देश सेन फ्रांसिस्को में एकजुट हुए और उन्होंने एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया। इसको स्थापित करने के लिए एक संगठन बनाने की बात कही गई। इसी के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन हुआ। इसी के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का मुख्य मकसद पूरी दुनिया में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

अमेरिका और वियतनाम युद्ध

संयुक्त राष्ट्र के गठन के महज 10 वर्ष बाद ही अमेरिका और वियतनाम के बीच जंग की शुरुआत हुई। संयुक्त राष्ट्र इसे रोकने में पूरी तरह से विफल रहा। यह संघर्ष करीब 10 वर्षों तक चला। इसमें वियतनाम के करीब 20 लाख लोग मारे गए। इस जंग में 30 लाख से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस जंग में 55 हजार से अधिक अमेरिकी सैनिक भी मारे गए। इसके बाद 22 सितंबर 1980 को इराक और ईरान के बीच जंग छिड़ गई।

यूक्रेन पर कैलिबर मिसाइल दाग रहा अमेरिका, स्टिंगर से मिला जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन की सेना के बीच भीषण युद्ध लगातार दूसरे दिन भी जारी है। रूस की सेना ने गुरुवार को यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर कई तरह के रॉकेट, क्रूज और बलिस्टिक मिसाइलों से भीषण हमला किया। इस दौरान यूक्रेन के एयर डिफेंस सिस्टम, रनवे, हथियारों के गोदाम और एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। इस बीच अब यूक्रेन ने भी अपनी मिसाइलों से जोरदार पलटवार किया है। आइए समझते हैं यूक्रेन में कैसे रूस बनाम पश्चिमी देशों के हथियारों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। विशेषज्ञों के मुताबिक यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस तबाही मचाने वाला स्मर्च रॉकेट सिस्टम इस्तेमाल कर रहा है। यह वही रॉकेट सिस्टम है जिसका इस्तेमाल भारतीय सेना करती है। प्रत्येक स्मर्च रॉकेट सिस्टम ट्रक पर रखा जाता है और यह मात्र 38 सेकंड में 12 रॉकेट फायर कर सकता है। भारतीय सेना के पास मौजूद स्मर्च रॉकेट 90 किमी तक मार कर सकते हैं, वहीं रूसी रॉकेट की क्षमता और ज्यादा मानी जाती है।